CLEAN FELLING HUMAN RIGHTS
THE SAVAGE SAGA OF SASAN UMPP

(UN)-CLEAN DEVELOPMENT MECHANISM
RELIANCE SASAN ULTRA MEGA COAL POWER PLANT

SOUMYA DUTTA
BEYOND COPENHAGEN COLLECTIVE, INDIA

SINGRAULI – VULNERABLE POPULATION

1. LARGE POPULATION OF ADIVAASIS (INDIGENOUS PEOPLE),
2. VERY LOW IN HDI (<4, COMPARED TO EVEN THE LOW HDI OF INDIA ~4.9), -> INHDR 2011
3. MANY PEOPLE IN THE AREA ALREADY WERE DISPLACED FROM RIHAND DAM/ RESERVOIR /MINES /OTHER BIG PROJECTS
4. LARGE NOS OF EXISTING COAL MINES AND COAL POWER PLANTS IN THE AREA,
5. POOR CONNECTIVITY, LOW SERVICE ACCESS
6. ONE OF THE MOST POLLUTED AREAS (CPCB-2010)

SASAN UMPP – IN A HIGH RISK AREA

3960 MW Coal Power

Border of UP-MP

Coordinates:
24.202°N 82.666°E

Large Coal Deposits

Called “Energy Capital of India”

Large nos of coal mines & TPPs – heavily polluted air and water

RELINACE SASAN ULTRA MEGA POWER PLANT
THE PERVERSE LOGIC OF CDM

SUPERCRITICAL BOILER TECHNOLOGY – HIGHER EFFICIENCY CLAIMS !

LITTLE OR NO CHECK OF CLAIMED LOCAL COMMUNITY BENEFITS,

ANNUAL CO2 EMISSION OF ABOUT 40 MT,

USES DIRTIER HIGH-ASH COAL – HIGH POLLUTION

NO CHECK ON HUMAN RIGHTS VIOLATIONS,

THE CD Mechanism ITSELF HAS FAILED TO INSTITUTE ANY CLEAR STRATEGY FOR REDUCTION – RE PROJECTS GOT LITTLE IN COMPARISON TO HFC. CDM COAL PROJECTS A BLUNDER

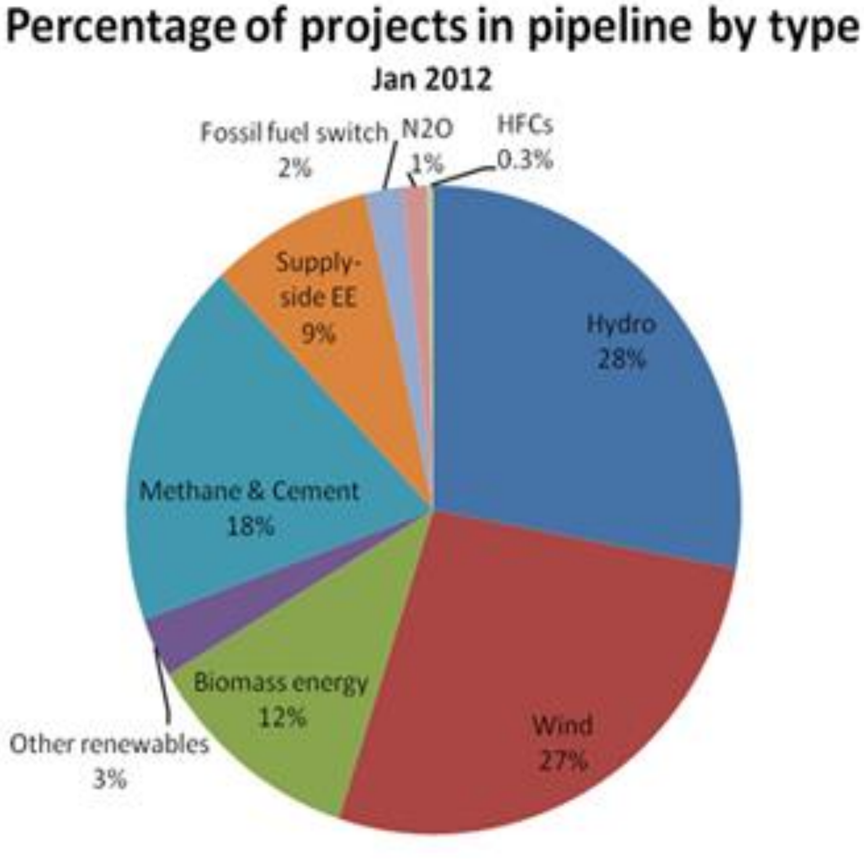

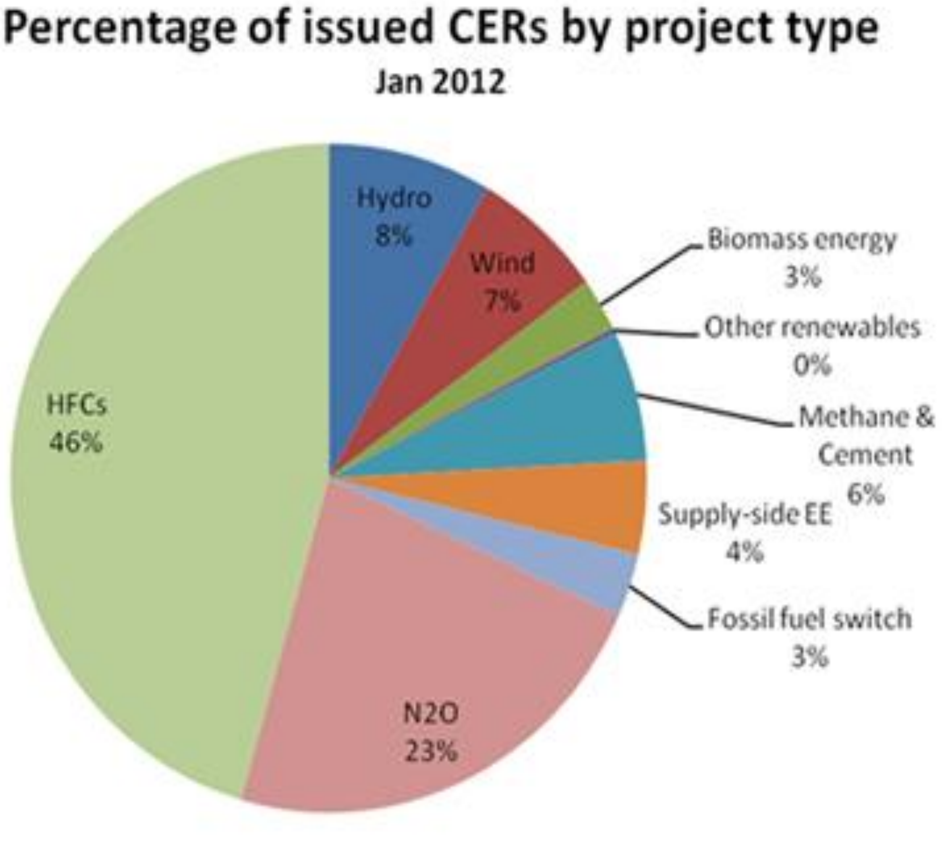

VIOLATIONS OF CDM 'CONDITIONS'

1. "ADDITIONALITY" – THE SASAN UMPP RECEIVED $900 MILLION FROM US EXIM BANK, A FEW BILLIONS FROM CHINESE BANKS, RELIANCE POWER SITS ON HUGE MONEY, **VERY VIABLE W/O CDM**

2. EMISSION REDUCTION FROM "BASELINE" – NO CREDIBLE BASELINE EMISSION / BAU PROJECTION,

3. "SUSTAINABLE DEVELOPMENT" OF POOR COUNTRIES /COMMUNITIES – IN REALITY, S-UMPP HAS CAUSED MASSIVE PAUPERIZATION OF ADIVASI AND OTHER COMMUNITIES, WHILE ADDING HUGELY TO POLLUTION RELATED HEALTH ISSUES.

S-UMPP : LITTLE CONSULTATION WITH PAPs MANY FALSE CLAIMS OF BENEFIT TO PAPs

A ‘BENEFICIARY’ OF S-UMPP

ADIVAASI (INDIGENOUS) POPULATED AREA, MOSTLY ILLITERATE – LITTLE CONSULTATION, NO PROPER INFORMATION;

FORCED EVICTIONS UNDER INTIMIDATION – RAMPANT,

GOVERNMENT OFFICIALS IN COLLUSION,

HUGE MONEY FLOW – TO ‘INFLUENCE’ THE POWERFUL

EVICTED PEOPLE HAVE BEEN DENIED EVEN BASIC FACILITIES LIKE HOUSING, POWER

* BAIGA ADIVAASI HAVE RECEIVED THE WORST

- HOUSES ACQUIRED AT WAY BELOW MARKET PRICE AT THE TIME,
- MANY POOR CHILDREN DENIED SCHOOLING,
- POWER LINE GOES BY THEIR HOUSES BUT THEY DO NOT GET ANY

REHABILITATION : CONTRACTUAL OBLIGATIONS ALSO VIOLATED

1. ADIVAASI- Gond, Baiga, Panika, Khairwar, Biyar, Kol etc. Indian constitution & laws have special provision for their land & property, most of which have been violated widely by Reliance Sasan UMPP,

2. FIVE (5) VILLAGES WITH LARGE ADIVAASI POPULATION BADLY AFFECTED BY DISPLACEMENT,

3. CONTRACTUAL OBLIGATION AS PER MP REHAB POLICY 2002 – VIOLATED IN LARGE NO OF CASES

CONTRACT BETWEEN COO OF S-UMPP AND THE THEN DISTRICT COLLECTOR – VIOLATED; REPEATED COMPLAINTS (RIGHT) NOT HEEDED

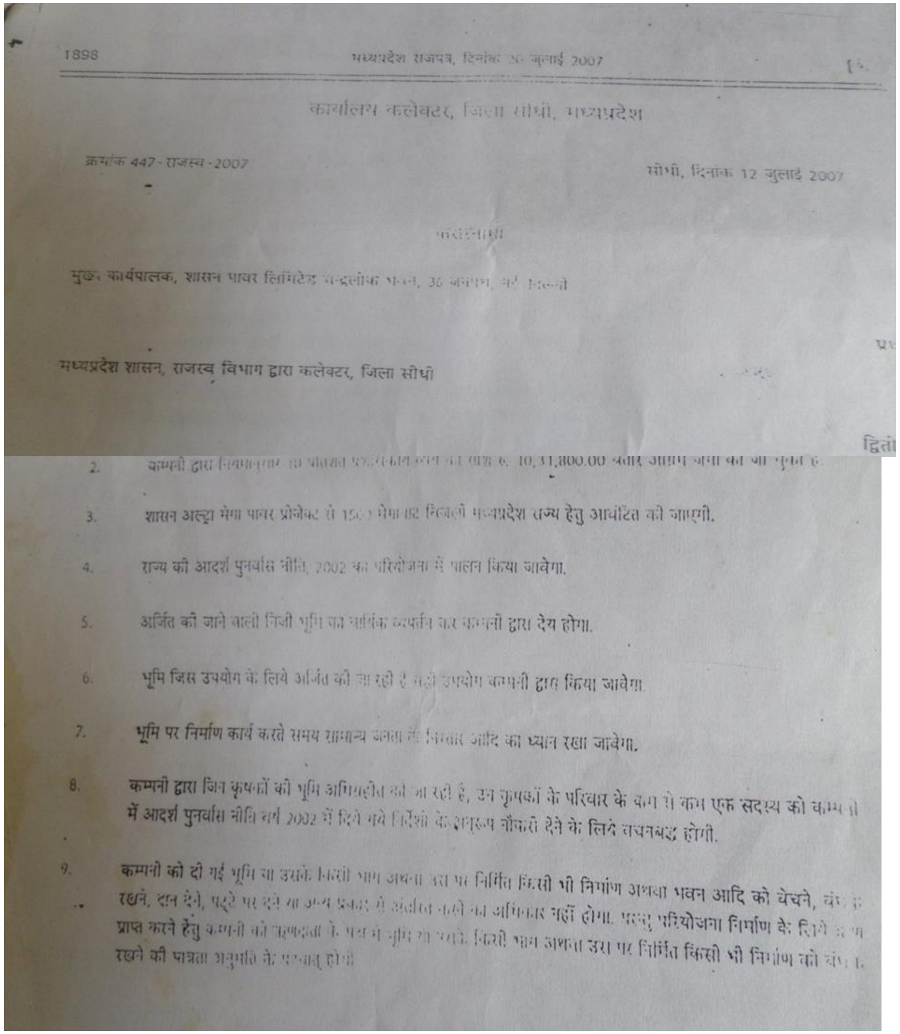

1898 मध्यप्रदेश राजपत्र, दिनांक 20 जुलाई 2007

कार्यालय कलेक्टर, जिला सीधी, मध्यप्रदेश

क्रमांक 447-राजस्व-2007 सीधी, दिनांक 12 जुलाई 2007

करारनामा

मुख्य कार्यपालक, शासन पावर लिमिटेड [illegible]

मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग द्वारा कलेक्टर, जिला सीधी

2. कम्पनी द्वारा [illegible] 10,31,800.00 [illegible]

3. शासन अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट से 1500 मेगावाट बिजली मध्यप्रदेश राज्य हेतु आवंटित की जाएगी.

4. राज्य की आदर्श पुनर्वास नीति, 2002 का परियोजना में पालन किया जावेगा.

5. अर्जित की जाने वाली निजी भूमि का [illegible] कम्पनी द्वारा देय होगा.

6. भूमि जिस उपयोग के लिये अर्जित की जा रही है [illegible] कम्पनी द्वारा किया जावेगा.

7. भूमि पर निर्माण कार्य करते समय सामान्य जनता के [illegible] आदि का ध्यान रखा जावेगा.

8. कम्पनी द्वारा जिन कृषकों की भूमि अधिग्रहीत की जा रही है, उन कृषकों के परिवार के कम से कम एक सदस्य को [illegible] में आदर्श पुनर्वास नीति वर्ष 2002 में दिये गये निर्देशों के अनुरूप नौकरी देने के लिये वचनबद्ध होगी.

9. कम्पनी को दी गई भूमि या उसके किसी भाग अथवा उस पर निर्मित किसी भी निर्माण अथवा भवन आदि को बेचने, [illegible] रखने, दान देने, पट्टे पर देने या अन्य प्रकार से अंतरित करने का अधिकार नहीं होगा. परन्तु परियोजना निर्माण के लिये [illegible] प्राप्त करने हेतु कम्पनी को [illegible] के पक्ष में भूमि या उसके किसी भाग अथवा उस पर निर्मित किसी भी निर्माण को [illegible] रखने की पात्रता अनुमति के पश्चात् होगी.

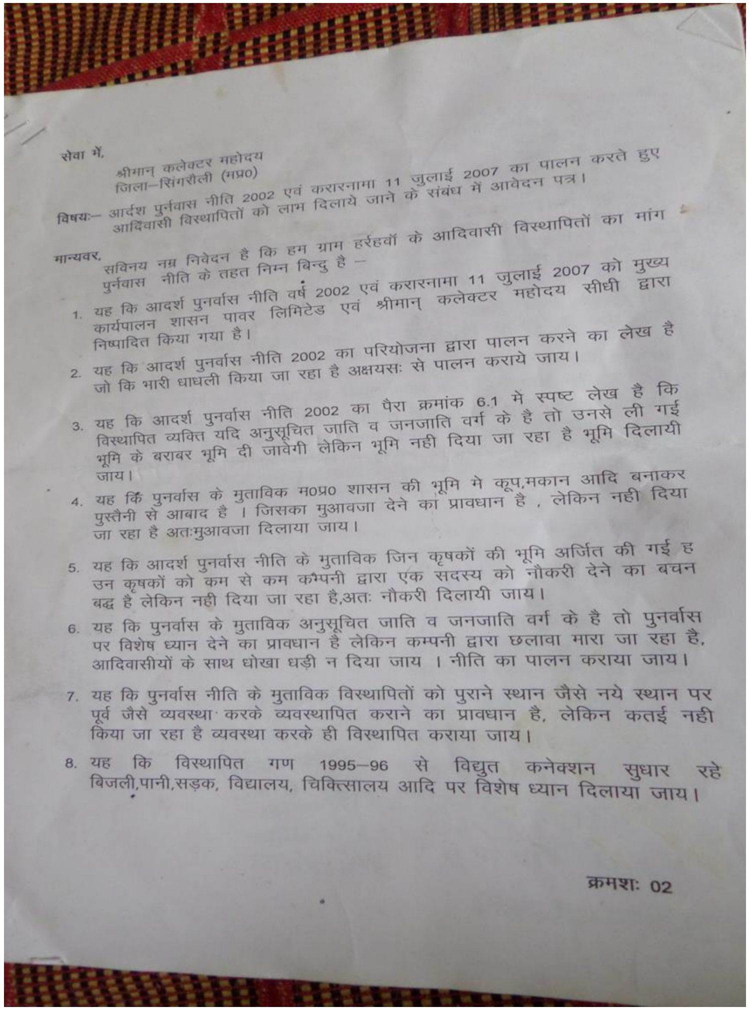

सेवा में,
श्रीमान् कलेक्टर महोदय
जिला–सिंगरौली (मप्र0)

विषयः– आर्दश पुर्नवास नीति 2002 एवं करारनामा 11 जुलाई 2007 का पालन करते हुए आदिवासी विस्थापितों को लाभ दिलाये जाने के संबंध में आवेदन पत्र।

मान्यवर,
सविनय नम्र निवेदन है कि हम ग्राम हर्रहवॉ के आदिवासी विस्थापितों का मांग पुर्नवास नीति के तहत निम्न बिन्दु है –

1. यह कि आदर्श पुनर्वास नीति वर्ष 2002 एवं करारनामा 11 जुलाई 2007 को मुख्य कार्यपालन शासन पावर लिमिटेड एवं श्रीमान् कलेक्टर महोदय सीधी द्वारा निष्पादित किया गया है।
2. यह कि आदर्श पुनर्वास नीति 2002 का परियोजना द्वारा पालन करने का लेख है जो कि भारी धाधली किया जा रहा है अक्षयसः से पालन कराये जाय।
3. यह कि आदर्श पुनर्वास नीति 2002 का पैरा क्रमांक 6.1 मे स्पष्ट लेख है कि विस्थापित व्यक्ति यदि अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के है तो उनसे ली गई भूमि के बराबर भूमि दी जावेगी लेकिन भूमि नही दिया जा रहा है भूमि दिलायी जाय।
4. यह किं पुनर्वास के मुताविक म0प्र0 शासन की भूमि मे कूप,मकान आदि बनाकर पुस्तैनी से आबाद है । जिसका मुआवजा देने का प्रावधान है , लेकिन नही दिया जा रहा है अतःमुआवजा दिलाया जाय।
5. यह कि आदर्श पुनर्वास नीति के मुताविक जिन कृषकों की भूमि अर्जित की गई ह उन कृषकों को कम से कम कम्पनी द्वारा एक सदस्य को नौकरी देने का बचन बद्ध है लेकिन नही दिया जा रहा है,अतः नौकरी दिलायी जाय।
6. यह कि पुनर्वास के मुताविक अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के है तो पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने का प्रावधान है लेकिन कम्पनी द्वारा छलावा मारा जा रहा है, आदिवासीयों के साथ धोखा धड़ी न दिया जाय । नीति का पालन कराया जाय।
7. यह कि पुनर्वास नीति के मुताविक विस्थापितों को पुराने स्थान जैसे नये स्थान पर पूर्व जैसे व्यवस्था करके व्यवस्थापित कराने का प्रावधान है, लेकिन कतई नही किया जा रहा है व्यवस्था करके ही विस्थापित कराया जाय।
8. यह कि विस्थापित गण 1995–96 से विद्युत कनेक्शन सुधार रहे बिजली,पानी,सड़क, विद्यालय, चिक्त्सिालय आदि पर विशेष ध्यान दिलाया जाय।

क्रमशः 02

SYSTEMIC INTIMIDATION, NEGOLECT, VIOLENT REPRESSION WITH POLICE & GOONS

LITTLE OR NO STAKEHOLDER CONSULTATION,

OBLIGATION TO GIVE JOB TO EACH LAND LOOSING FAMILY VIOLATED;

GOND ADIVAASI's FOLLOWED UP THEIR CASES TO SOME EXTENT,

MOST OTHERS – RESIGNED

COPY OF PETITION – RIGHT

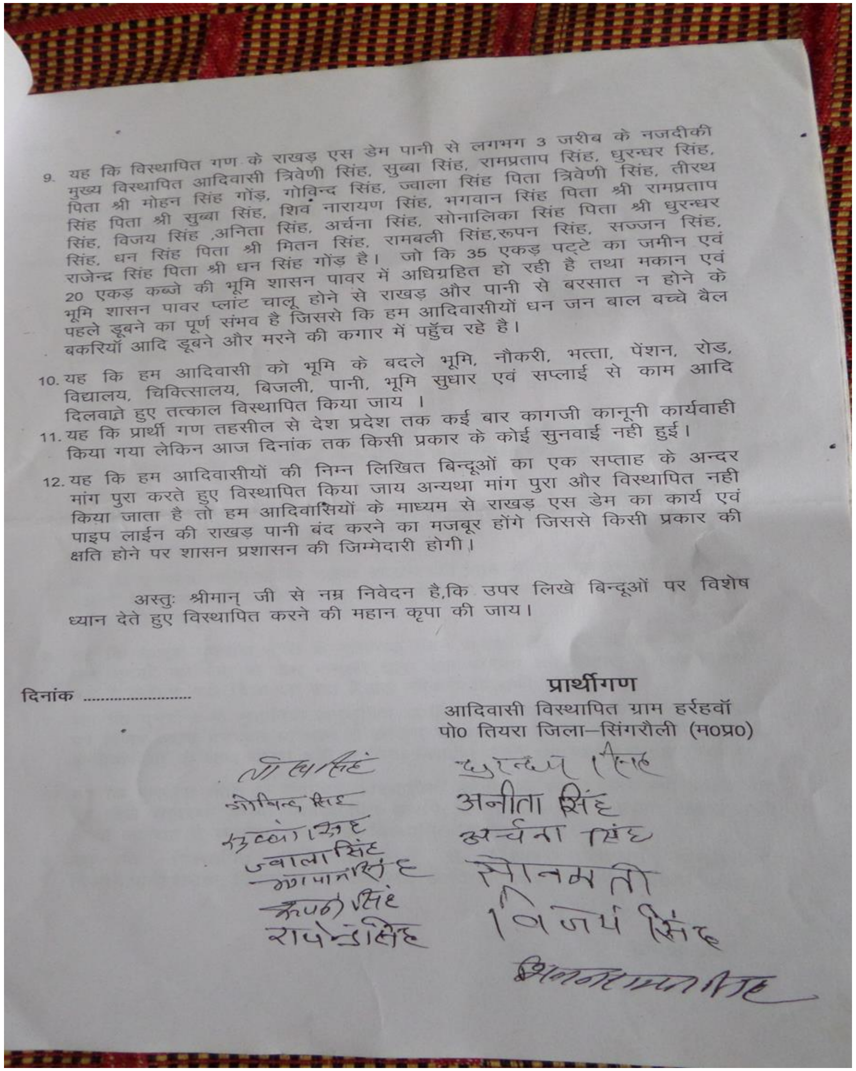

9. यह कि विस्थापित गण के राखड़ एस डेम पानी से लगभग 3 जरीब के नजदीकी मुख्य विस्थापित आदिवासी त्रिवेणी सिंह, सुब्बा सिंह, रामप्रताप सिंह, धुरन्धर सिंह, पिता श्री मोहन सिंह गोंड़, गोविन्द सिंह, ज्वाला सिंह पिता त्रिवेणी सिंह, तीरथ सिंह पिता श्री सुब्बा सिंह, शिव नारायण सिंह, भगवान सिंह पिता श्री रामप्रताप सिंह, विजय सिंह ,अनिता सिंह, अर्चना सिंह, सोनालिका सिंह पिता श्री धुरन्धर सिंह, धन सिंह पिता श्री मितन सिंह, रामबली सिंह,रूपन सिंह, सज्जन सिंह, राजेन्द्र सिंह पिता श्री धन सिंह गोंड़ है। जो कि 35 एकड़ पट्टे का जमीन एवं 20 एकड़ कब्जे की भूमि शासन पावर में अधिग्रहित हो रही है तथा मकान एवं भूमि शासन पावर प्लांट चालू होने से राखड़ और पानी से बरसात न होने के पहले डूबने का पूर्ण संभव है जिससे कि हम आदिवासीयों धन जन बाल बच्चे बैल बकरियॉं आदि डूबने और मरने की कगार में पहुॅच रहे है।

10. यह कि हम आदिवासी को भूमि के बदले भूमि, नौकरी, भत्ता, पेंशन, रोड, विद्यालय, चिक्त्सालय, बिजली, पानी, भूमि सुधार एवं सप्लाई से काम आदि दिलवाते हुए तत्काल विस्थापित किया जाय ।

11. यह कि प्रार्थी गण तहसील से देश प्रदेश तक कई बार कागजी कानूनी कार्यवाही किया गया लेकिन आज दिनांक तक किसी प्रकार के कोई सुनवाई नही हुई।

12. यह कि हम आदिवासीयों की निम्न लिखित बिन्दूओं का एक सप्ताह के अन्दर मांग पुरा करते हुए विस्थापित किया जाय अन्यथा मांग पुरा और विस्थापित नही किया जाता है तो हम आदिवासियों के माध्यम से राखड़ एस डेम का कार्य एवं पाइप लाईन की राखड़ पानी बंद करने का मजबूर होंगे जिससे किसी प्रकार की क्षति होने पर शासन प्रशासन की जिम्मेदारी होगी।

अस्तुः श्रीमान् जी से नम्र निवेदन है,कि उपर लिखे बिन्दूओं पर विशेष ध्यान देते हुए विस्थापित करने की महान कृपा की जाय।

दिनांक ....

प्रार्थीगण

आदिवासी विस्थापित ग्राम हर्रहवॉं

पो० तियरा जिला–सिंगरौली (म०प्र०)

अनीता सिंह

अर्चना सिंह

विजय सिंह

CLAIMS AND REALITY

Contribution of the project activity towards sustainable development

The project activity contributes to the sustainable development of India and has received the host country approval (Ref No: 4/20/2008-CCC dated 06/02/2009). Sustainable development Indicators of the project activity are dealt under following four pillars of sustainable development.

Social sustainability

1. Project activity empowers economically weaker sections of the society, including the scheduled castes and scheduled tribes, which constitute 42%[4] of Sidhi district (bifurcated into Sidhi & Singrauli two districts recently. Project activity is located in the Singrauli district).

LABOUR LAWS AND CONTRACTS VIOLATED ROUTINELY

LONG WORKING HOURS,

ONLY CASUAL JOBS TO DISPLACED & OTHER LOCALS,

BRINGING IN LARGE NOS OF OUT-OF-STATE LABOUR – TO AVOID ANY LIABILITY,

WHOEVER PROTESTED ILLEGAL LABOUR PRACTICES (like SATIPRASAD IN Pic) – PICKED UP, BEATED, SLAPPED WITH FALSE CASES,

TERRORIZED LOCALS & DISPLACED

LARGE NOS OF WORKER DEATHS SUPPRESED & NOT-COMPENSATED

रिलायंस प्लांट में शव मिलने से सनसनी

13-6-2014 मध्यप्रदेश जनसंदेश

सिंगरौली। बैढ़न कोतवाली के सासन चौकी क्षेत्र में स्थित रिलायंस पावर प्लांट परिसर में बुधवार सुबह श्रमिक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौका-ए-वारदात पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रिलायंस पॉवर प्लांट परिसर में पॉवर मैक्स संविदा कंपनी के एक श्रमिक (45) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। उसकी मौत दो दिन पहले हो चुकी थी। प्रचंड गर्मी में शव के सड़ जाने से जब बदबू फैली तो लोगों को उसके मरने का पता चला। बुधवार सुबह लोगों की भीड़ जमा रही। सूचना पर पहुंची पुलिस को श्रमिक का नाम और पता नहीं मिल सका। अज्ञात में शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही वजहों का पता चल सकेगा। हालांकि माना जा रहा है कि काम करने के दौरान उसकी मौत हो गई होगी।

रिलायंस पॉवर में मिला शव

सिंगरौली (बैढ़न) पत्रिका

satna.reporting@in.patrika.com

रिलायंस की सासन अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट में कार्यरत संविदा एजेंसी (पावर मेक) के लेबर कॉलोनी में गुरुवार प्रातः अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने अज्ञात शव की शिनाख्तगी के लिए पीएम कराए बगैर शव को जांच के लिए रीवा भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली कि लेबर कॉलोनी में सड़ी-गली अवस्था में एक शव पड़ा है। जिसके बाद मौके पर पहुंचे एसआई अखिलेश अग्निहोत्री ने कहा, शव तीन-चार दिन पुराना है। इसी वजह से इसकी पहचान करना जरा मुश्किल है। फिलहाल, शव को पीएल के लिए जिला अस्पताल भेजा है, जहां से फोरेंसिक जांच के लिए रीवा भेज दिया है।

13-6-2014

जनरेटर के करंट से हुई थी रामसजीवन की मौत!

7-6-2014 भास्कर

हमारे संवाददाता, सिंगरौली (बैढ़न)। 30 मई को रिलायंस के सासन पावर में कार्य के दौरान श्रमिक रामसजीवन शाह की मौत के मामले में परते खुलने लगी है। सूत्रों का कहना है कि बंद लाइट में काम करने के दौरान जनरेटर चालू कर दिया गया था जिसकी वजह से बंद लाइन में करंट आ गया और श्रमिक की मौत हो गयी। अगर ऐसा हुआ है तो इस लापरवाही के लिए सीधे तौर पर सासन पावर के जवाबदेह अधिकारी जिम्मेवार है।

क्या है नियम- जानकारों का कहना है कि पावर प्लांट के अंदर जब भी विद्युत लाइन का सुधार कार्य किया जाता है तो जहां पर काम करना होता है वहां की लाइट बंद कर दी जाती है। और जहां से लाइट बंद की जाती है वहां पर ताला लगा दिया जाता है। जिसकी एक चाभी लाइन में काम करने वाले कर्मचारी के पास रहती है और दूसरी चाभी कंट्रोल रूम प्रभारी के पास रहती है। विद्युत जानकारों का कहना है कि कंट्रोल रूम का लॉक तभी खुलेगा जब दोनो चाभियां एक साथ लगायी जायेगीं। लेकिन इस मामले में एक चाभी मृतक की जेब से ही पुलिस ने बरामद किया है। ऐसे मे सवाल यह उठ रहा है कि या तो किसी ने जनरेटर चालू कर दिया या फिर कंट्रोलरूम में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध नही किये गये है।

नहीं आयी जांच रिपोर्ट- कार्य के दौरान श्रमिक की करंट लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस एनटीपीसी के इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टर से जांच कराये जाने का दावा कर रही है। लेकिन घटना के एक सप्ताह बाद भी जांच रिपोर्ट नहीं आयी है।

श्रमिक की मौत और श्रमिकों पर जो झूठे मामले दर्ज कराये गये हैं। उन्हें कानूनी तौर पर उठाया जायेगा ताकि भविष्य में श्रमिकों पर किसी तरह का अत्याचार न हो सके।

पंकज सिंह
नेता आम आदमी पार्टी

सासन पावर जब से शुरू हुआ है श्रमिकों के साथ घोर अत्याचार हो रहा है। पूर्व में भी श्रमिकों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराये गये थे। लेकिन अब ऐसा नही होने दिया जायेगा आर-पार की लड़ाई लड़ी जायेगी।

कुंदन पाण्डेय, श्रमिक नेता

सासन पावर में फिर एक हादसा श्रमिक घायल

भास्कर 14-6-2014

हमारे संवाददाता सिंगरौली (बैढ़न)। रिलायंस के सासन पावर में फिर एक बार हुए हादसे में एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना शुक्रवार की शाम साढ़े पांच बजे के आसपास की बतायी जा रही है। घायल श्रमिक के साथी श्रमिकों ने बताया कि सासन पावर के यूनिट नम्बर 5 और 6 के बीच में जब श्रमिक लियाकत अंसारी काम कर रहा था उसी समय हाइड्रा से पाइप उठाने का काम किया जा रहा था। एक पाइप नीचे काम कर रहे श्रमिक लियाकत अली के ऊपर गिर गया। पाइप गिरने से श्रमिक के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में घातक चोटें पहुंची हैं। वहीं सासन चौकी पुलिस का कहना है कि किसी श्रमिक के मामूली रूप से घायल होने की सूचना मिली है।

बार-बार हो रहे हादसे

जिले में कई अन्य तापीय परियोजनायें स्थित हैं लेकिन तापीय परियोजनाओं में से जितने हादसे रिलायंस के सासन पावर में हो रहे हैं उतने कहीं नही हो रहे हैं। श्रमिकों का साफ कहना है कि सासन पावर में श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर घोर लापरवाही बरती जा रही है जिसका परिणाम है कि आये दिन सासन पावर के अंदर हादसे हो रहे है और श्रमिक हादसों का शिकार हो रहे हैं।

पुलिस की लापरवाही

सासन पावर में गुरूवार को एक श्रमिक का शव पाये जाने के बाद काफी बवाल मचा लेकिन शुक्रवार को हुए हादसे में फिर से एक श्रमिक घायल हो गया वहीं कोतवाली पुलिस हादसे को मामूली बताकर अपना पल्ला झाड़ रही है। जबकि इसी तरह के मामूली हादसे ही विवाद और हंगामे का बड़ा रूप धारण कर लेते हैं। कोतवाली पुलिस का इस तरह का गैर जिम्मेदाराना रवैया तब है जब पुलिस के एडीजीपी से लेकर तमाम बड़े अफसर जिले में डेरा डाले हुए हैं। इससे कोतवाली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का क्या रवैया आम जनता और घटना-दुर्घटना को लेकर रहता होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है।

सासन पावर परिसर में मिली क्षत-विक्षत लाश

श्रमिक का ही शव होने की संभावना श्रमिकों में आक्रोश

13-6-2014 भास्कर

हमारे संवाददाता। सिंगरौली (बैढ़न)

रिलायंस के सासन पावर में काम के दौरान एक श्रमिक की मौत होने के बाद भड़के श्रमिकों का गुस्सा अभी शांत भी नहीं हुआ था कि गुरूवार को फिर से एक बार रिलायंस सासन पावर में बवाल मच गया। बवाल मचने का कारण सासन पावर परिसर के अंदर एक व्यक्ति की क्षत-विक्षत हालत में लाश मिलना है।

सासन पावर परिसर के गेट नंबर दो के पास गुरुवार की सुबह जब श्रमिक काम करने अंदर घुसे उसी समय उन्हे परिसर के अंदर शव पड़े होने की जानकारी मिली। लिहाजा श्रमिकों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान गुस्साएं श्रमिकों ने तोड़फोड़ भी कर दी। जिसमें कई गाड़ियों और मकानों के कांच टूट गये। श्रमिकों का कहना था कि सासन पावर परिसर के अंदर जो शव क्षत-विक्षत हालत में मिला है वह श्रमिक का है। जिसे किसी ने मारकर फेंक दिया है या फिर कार्य के दौरान सासन पावर लापरवाही से उसकी मौत हुई है।

फिर नाकाम रही कोतवाली पुलिस

सासन पावर में श्रमिक का शव मिलने के बाद उपजे विवाद को नियंत्रित करने में हर बार की तरह इस बार भी कोतवाली पुलिस के आला अफसर नाकामयाब साबित हुए। पुलिस की निष्क्रियता के चलते गुस्साएं लोगों ने तोड़फोड़ कर दी और मौके पर मौजूद कोतवाली पुलिस के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। सवाल ये उठ रहा है कि जब कोतवाली पुलिस के अफसर अपराध और कानून व्यवस्था सम्हालने में हर बार नाकामयाब साबित हो रहे है तो वरिष्ठ अधिकारी उन्हीं पर बार-बार भरोसा कर क्या किसी बड़ी घटना होने का इंतजार कर रहे है।

चार दिन पुरानी लाश

जो शव मिला है वह चार-पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। श्रमिकों ने बताया कि शव सड़ांध मार रहा था जिसकी वजह से उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। श्रमिकों ने बताया कि शव के पास एक हेलमेट मिला है और जेब से एक कागज पुलिस को मिला है जो संभवतः मृतक का परिचय पत्र होगा। वहीं पुलिस शव को अज्ञात मानकर मर्ग कायम करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिर लापरवाही

सासन पावर के आला अफसरों की लापरवाही के चलते गत दिनों श्रमिक रामसजीवन शाह को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। वहीं एक और श्रमिक भी लापरवाही का शिकार हो गया। श्रमिकों का कहना है कि सासन पावर के अधिकारियों की घोर लापरवाही का ही नतीजा है कि परिसर के अंदर श्रमिक की मौत हो गयी और जब शव से गंध आने लगी तब पता चल रहा है। श्रमिकों का कहना है कि पुलिस और सासन पावर के जवाब्देह अधिकारी एक बार फिर से पूरे मामले की लीपापोती में जुट गये हैं।

पुलिस ने फिर कायम किया मर्ग

कंपनी के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने के मामले में कोतवाली पुलिस ने महज मर्ग कायम कर औपचारिकताएं पूरी कर ली है। वहीं पुलिस शव को अज्ञात बता रही है। जबकि सासन परिसर के अंदर से मिले शव से एक बात तो तय है कि शव किसी श्रमिक का ही है। क्योंकि परिसर के अंदर कंपनी की अनुमति के बगैर परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। वहीं सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि श्रमिक के पास से जो परिचय पत्र नुमा कागज मिला है पुलिस उसे छुपा क्यों रही है? कहीं ऐसा तो नहीं कि श्रमिक की पहचान हो जाये और कोतवाली पुलिस को कंपनी प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ गैर इरातदन हत्या का मामला दर्ज करना पड़े। गौरतलब है कि गत दिनों जब श्रमिक की मौत हुई थी तो पुलिस ने मर्ग कायम किया था लेकिन भारी दबाव के चलते बाद में पुलिस को गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करना पड़ा था।

WORKER PROTESTS VIOLENTLY SUPPRESSED

रिलायंस ने की..पेज-३

दैनिक भास्कर | शनिवार | सिंगरौली 31 मई 2014

सासन पावर में पत्थरबाजी, आधा दर्जन लोग घायल, श्रमिकों ने लगाया प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

श्रमिक की मौत के बाद बवाल

हमारे संवाददाता | सिंगरौली (वैढ़न)

रिलायंस के सासन पावर में कार्य के दौरान एक श्रमिक की मौत हो गयी। घटना उस समय हुई जब 26 वर्षीय श्रमिक रामसजीवन शाह पावर प्लांट के बायलर में लगे विद्युत पोल में चढ़कर काम कर रहा था उसी समय किसी ने बंद विद्युत प्रवाह को चालू कर दिया जिसकी वजह से श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गयी। श्रमिक की मौत की जानकारी जब बॉयलर में काम कर रहे अन्य श्रमिकों को लगी तो उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए काम बंद कर दिया। श्रमिक जब कंपनी प्रबंधन का विरोध कर रहे थे उसी समय कंपनी के सुरक्षा अधिकारी और अन्य अधिकारी वहां पहुंचे और श्रमिकों को वहां से भगाने लगे। इसी बात को लेकर श्रमिकों का गुस्सा भड़क गया और गुस्साये श्रमिकों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी जिसमें करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गये। जिन्हें शहर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

कंपनी परिसर में साथी के शव के पास जुटे श्रमिक साथी एवं इनसेट में मृतक के शोकाकुल परिजन

आठ घंटे टंगा रहा शव

रिलायंस के सासन पावर में दोपहर ढाई बजे के आसपास की घटना बतायी जा रही है। लेकिन कंपनी प्रबंधन और शासन-प्रशासन की लापरवाही की सभी हदें तब पार हो गयी जब श्रमिक रामसजीवन का शव आठ घंटे से ज्यादा समय तक खम्भे मे ही लटका रहा। खम्भे मे लटके शव को नीचे उतारने की जहमत न तो कंपनी प्रबंधन ने उठायी और न ही पुलिस प्रशासन ने।

श्रमिक छोड़ गया पूरा परिवार

विद्युत सुधार कार्य के दौरान मृत हुआ श्रमिक रामसजीवन शाह स्टार इलेक्ट्रिकल कंपनी का कर्मचारी बताया जा रहा है। जो अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गया है। रामसजीवन की परी और तीन छोटे बच्चे है जो पिता की मौत के बाद अनाथ हो गये। श्रमिक के 80 वर्षीय पिता रामलाल शाह सब्जी बेचकर अपना और अपने परिवार का गुजारा चलाते है। बताया जा रहा है कि रामसजीवन ही पूरे घर का खर्च चलाता था। सासन गांव निवासी रामसजीवन की मौत की खबर के बाद उसके परिवार में मातम छाया है और पूरे गांव मे शोक की लहर है।

कंपनी का काम बंद

सासन पावर में हुई ह्रदय विदारक घटना के बाद से वहा काम कर रहे श्रमिकों ने काम बंद कर दिया है। श्रमिकों का कहना है जब तक मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नही किये जायेगें कोई भी श्रमिक काम नही करेगा। श्रमिकों का साफ कहना है कि सुरक्षा के जो मापदण्ड निर्धारित किये गये है कंपनी प्रबंधन द्वारा पूरे नही किये जा रहे है। जिसका खामियाजा मजदूरों को जान देकर भुगतना पड़ रहा है।

श्रमिकों मे आक्रोश

कंपनी प्रबंधन की लापरवाही से हुई श्रमिक की मौत के बाद से रिलायंस सासन पावर में काम कर रहे श्रमिकों में खासा आक्रोश देखा जा रहा है। गुस्साये श्रमिकों ने कंपनी कैम्पस के अंदर खड़े कई वाहनों में तोड़-फोड़ की। श्रमिकों का कहना है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस प्रबंधन नही किये गये है। जिसकी वजह से आये दिन श्रमिक हादसों का शिकार होकर अपनी जान गवा रहे है।

जो मिला वो पिटा, चार गंभीर

श्रमिक की मौत के बाद कंपनी मे काम कर रहे अन्य श्रमिकों का गुस्सा इतना भड़क गया कि उन्होंने कंपनी के अंदर ही पत्थरबाजी शुरू कर दी जिसमे कंपनी के रवि मिश्रा, ओम नाथ सहित करीब आधा दर्जन लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि श्रमिकों का गुस्सा तब और भड़क गया जब कंपनी के सुरक्षा अधिकारियों ने श्रमिकों के साथ जोर जबरदस्ती करने की कोशिश की। साथी श्रमिक की मौत से गुस्साये श्रमिकों ने सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा किये गये धक्का मुक्की से बचने के लिए पत्थर बाजी शुरू कर दी।

मौके पर नही पहुंचे अधिकारी

जिस बॉयलर में कार्य के दौरान श्रमिक की मौत हुई वहा पर रिलायंस प्रबंधन का एक भी जवाबदेह अधिकारी नही पहुंचा हालाकि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी कई बार प्रयास करते दिखे की कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंच कर मृतक श्रमिक के परिवार से बात कर ले लेकिन वे नही आये। लिहाजा पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी भी कंपनी प्रबंधन के सामने असहाय नजर आये।

पुलिस रही असहाय- कंपनी के अंदर जिस समय पत्थरबाजी चल रही थी उस समय पुलिस के कुछ अधिकारी और कर्मचारी वहा मौजूद थे लेकिन श्रमिकों की भारी संख्या के आगे पुलिस कर्मी असहाय दिखे। हालाकि बाद मे पुलिस बल जरूर आया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पत्थरबाजी की घटना मे पुलिस के भी वाहन चपेट में आ गये। कंपनी के अंदर खड़ी सासन सरपंच की स्कार्पियो कार मे भी तोड़-फोड़ की गयी। सासन पावर में हुई इस घटना की खबर पाकर तहसलदार विनोद सोनकिया, देवसर एसडीएम डीपी वर्मन, सीएसपी बीडी पाण्डेय, मोरवा टीआई अखिलेश गोस्वामी, माड़ा टीआई डीआर बरकड़े सहित जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नहीं दिया जवाब- इस पूरे मामले में रिलायंस की सासन पावर कंपनी ने फिर गैर जिम्मेदाराना रवैया दिया। मामले में अपना पक्ष देने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपलब्ध नही हुए तो जनसंपर्क अधिकारी अजीत चतुर्वेदी बार-बार मोबाइल पर कॉल काटते रहे।

सभी जिम्मेदार बाहर- शुक्रवार को जब ये घटनाक्रम हुआ तब शहर के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जिले के बाहर थे। रीवा में आयोजित बैठक में शामिल होने कलेक्टर रीवा गए थे तो एसपी और एडीशनल एसपी, एसडीएम भी अवकाश पर थे।

■ श्रमिक की मौत के बाद तनाव की स्थिति बनी, जिसे नियंत्रित कर लिया गया है। कंपनी द्वारा निर्धारित मुआवजा मृतक के परिजनों को दिया जाएगा, इसके साथ ही परिवार के एक सदस्य को नौकरी भी दिलाई जाएगी।

एम सेलवेन्द्रन, कलेक्टर

COMPLAINTS AGAINST MASSIVE POLLUTION BY S-UMPP - IGNORED

उद्वासित किसान मजदूर परिषद

Udawasit Kisan Majdoor Parishad

Singrauli Area : UP/MP (India)

Mob. : 9415243226, 9598922080
E-mail : sharmakc12@gmail.com
ukmpindia@gmail.com

सेवामें,

मानीय अध्यक्ष महोदय
केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
नई दिल्ली

दिनांक : 26 अप्रैल 2014

विषय :– सासन पावर प्रोजेक्ट के कन्वेयर बेल्ट द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण तथा चिमनी से मानक विपरीत निकल रहे धुएं के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपको देश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर में दिनांक 25 अप्रैल को फोटो सहित प्रकाशित समाचार की कटिंग अवलोकनार्थ संलग्न करते हुए **चिमनी ने उगला धुंआ** तथा **दरवाजे पर ही उड़ रहा था कोयला** शिर्षक की ओर आकृष्ट कराते हुए संगठन व्यापक पैमाने पर फैलाये जा रहे प्रदूषण के खिलाफ कार्यवाही किये जानें की मांग करता है।

श्रीमान् जी समाचार पत्र में छपे प्रदूषण से सम्बन्धित खबर को संज्ञान में लेने का कष्ट करें क्योंकि यह यहां आम बात है और जनता उक्त प्रदूषण से त्रस्त है उसकी शिकायतों को कोई सुनने वाला नहीं है।

अतः आप से आग्रह है कि चिमनी के धुएं एवं कोल कन्वेयर बेल्ट से फैलाये जा रहे प्रदूषण को संज्ञान में लेते हुए जनहित में आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें। जिससे स्थानीय जनों को प्रदूषण से निजात मिल सकें।

धन्यवाद

नोट : समाचार पत्र की कटिंग की छायाप्रति पत्र के साथ अवलोकनार्थ संलग्न है।

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सेवा में प्रेषित प्रतिलिपि :

1: माननीय प्रधानमंत्री महोदय, भारत सरकार।
2: माननीय पर्यावरण मंत्री महोदय, भारत सरकार।
3: माननीय चेयरमैन एन.जी.टी., नई दिल्ली।
4: माननीय अध्यक्ष म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल।
5: माननीय क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सिंगरौली।
6: माननीय पर्यावरण मंत्री महोदय म.प्र. सरकार।

भवदीय

K.C.Sharma 26/4/2014

के.सी.शर्मा (पत्रकार)
अध्यक्ष / संयोजक
यू.के.एम.पी / सिंगरौली बचाओं समिति
सिंगरौली परिक्षेत्र

Head Office : Yogichaura, Shaktinagar, Distt. : Sonebhdra (U.P.), Pin-231 222

तीन घंटे रहे अंबानी अपने प्रोजेक्ट्स में, नेताओं और अधिकारियों को शिष्टाचार मुलाकात का भी नहीं दिया मौका

विस्थापितों से भी नहीं मिले धनकुबेर

भास्कर विशेष। सिंगरौली वैढ़न

देश और दुनिया के धनकुबेरों में शामिल अनिल अंबानी का गुरूवार दोपहर 12 बजे सिंगरौली आगमन हुआ। रिच लैंड लेकिन पुअर पीपुल्स के रूप में पहचाने जाने वाले इस इनर्जी बाउल की पहचान को श्री अंबानी ने कायम रखते हुए पैसों की खान कही जाने वाली अपनी कोल माइंस और सासन पावर प्रोजेक्ट को तो देखा लेकिन इन प्रोजेक्ट्स के कारण विस्थापित हुए लोगों के दर्द को कम करने उन्हें अपनी एक झलक दिखाना भी मुनासिब नहीं समझा। उन्होंने शासन प्रशासन के अधिकारियों को हाशिए पर रखा तो मीडिया को भी अपने घेरे तक फटकने नहीं दिया। अमलोरी और सासन के पास जमा दर्जनों विस्थापित उनकी एक झलक भी न मिल पाने से मायूस होकर घरों को लौट गए।

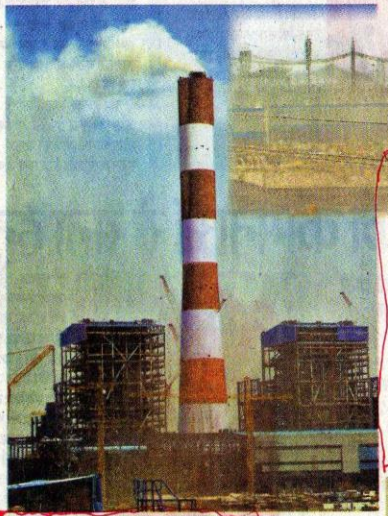

दरवाजे पर ही उड़ रहा था कोयला

श्री अंबानी जिस वक्त प्लांट का निरीक्षण कर रहे थे उसी वक्त कोल कन्वेयर बेल्ट के प्लांट के समीप बने ब्रिज से कोयला उड़ रहा था। इसके कारण आसपास के क्षेत्र में भरी दुपहरिया धुंधलका छा गया था। इस संबंध में जब क्षेत्रीय व्यापारियों और खोमचेवालों से पूछा गया तो उनका कहना था कि आप नए आए हो, हमारे लिए तो ये रोज का नजारा है। पेट की खातिर यहा खड़े हैं, वरना हमें धूल और कोयला फांकने का कोई शौक नहीं है।

15 हजार करोड़ और लगाएंगे

पावर प्लांट में सभी अधिकारियों कर्मचारियों की एक सभा को संबोधित करते हुए अनिल अंबानी ने कहा कि 660 मेगावाट क्षमता की 6 यूनिट स्थापित करने में हमने 30 हजार करोड़ रूपए का निवेश किया है। इस प्लांट में जल्द ही 660 मेगावाट क्षमता की तीन यूनिट और स्थापित की जाएगी। इस काम में हम 15 हजार करोड़ रूपए का निवेश करेंगे। इसके साथ ही सासन पावर प्लांट देश और दुनिया का सबसे बड़ा पावर प्लांट बन जाएगा। हम इस अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट से सबसे सस्ती बिजली दे रहे हैं।

देखी हर यूनिट

श्री अंबानी ने सासन पावर प्रोजेक्ट की चालू तीन यूनिट के साथ निर्माणाधीन चार, पांच और छह यूनिट का भी काम देखा। इस दौरान उन्होंने अभियंताओं से काफी सारे सवाल जवाब किए। उन्होंने वर्कर्स के साथ कोल खदान और पावर प्लांट में फोटो भी खिंचवाए। श्री अंबानी अपने चौपर से यहा दोपहर 12 बजे आए वे दोपहर तीन बजे यहा से मैहर के लिए उड़े।

चिमनी ने उगला धुंआ

पावर एम्पायर के सुप्रीमो के दौरे को यादगार बनाने बुधवार रात से ही सभी को अलर्ट किया गया था, इसका परिणाम बेहतर आना था लेकिन ज्यादा जल्दबाजी के कारण गुरूवार की सुबह प्लांट की यूनिट नंबर एक ट्रिप हो गई। बाद में उसे ऑयल पर चलाया गया, इस बीच चिमनी ने ऐसा धुआ उगला कि श्री अंबानी ने केवल उसे आसमान से देखा बल्कि चौपर के लैंड करने के बाद जमीन से भी इस नजारे को देखा। अधिकारियों ने उन्हें काफी सफाई दी तब जाकर वे कुछ नार्मल हुए।

कोल ब्लॉक देखा

श्री अंबानी ने सबसे पहले अमलोरी स्थित कोयला खदान को देखा। यहा चल रहे कोयला खनन का निरीक्षण माइन में उतर कर किया। खनन में प्रयोग आने वाली मशीनों की जानकारी ली।

आखिर क्यों आए

श्री अंबानी का सिंगरौली आगमन क्यों हुआ? इसे लेकर राजनैतिक गलियारों से लेकर कार्पोरेट हाउस में अटकलें लग रही हैं। कहा जा रहा है कि जो कुछ उन्होंने अपने प्रवास के दौरान देखा, उसे तो रिलायंस के आईटी एक्सपर्ट उन्हें मुंबई और दिल्ली में ही बैठकर दिखा सकते हैं। इसके बाद भी अंबानी का यहा आना ही हर किसी की जुबा पर है। कहा जा रहा है कि उन्हें चुनौती दे रहे दूसरे कार्पोरेट हाउस को तमाम मोर्चों पर मिल रही शिकस्तों को वे नजदीक से देखना चाहते थे तो अपने चौपर से वे प्रतिद्वंदी के परिसरों में छाई वीरानी का भी नजारा करना चाह रहे थे। ये लोभ ही उन्हें सिंगरौली खींच लाया। यदि ऐसा न होता तो वे यहा मीडिया से मिलकर सिंगरौली के विकास की दिशा में किए जा रहे सहयोग को शेयर करते। इतना ही नही जिले के जिम्मेदार अधिकारियों को अपने नजदीक बुलाकर कामों में आ रही मामूली रूकावटों को भी परे धकेल देते और विस्थापितों के आसू पोंछकर उन्हें उनके लिए किए जाने वाले नए प्लान की दिलासा दे सकते थे।

THIS IS JUST THE PROVERBIAL TIP OF THE ICEBERG OF VIOLENCE AND VIOLATIONS BY RELIANCE SASAN UMPP – A CDM PROJECT

QUESTIONS : HOW CAN A MASSIVELY POLLUTING COIAL PROJECT GET CDM MONEY ?

HOW SUCH MASSIVE VIOLATIONS GOES "UNDETECTED" AND UNPUNISHED ?

BRING JUSTICE TO THE PERSECUTED PEOPLE OF SASAN-UMPP

SOUMYA DUTTA, BEYOND COPENHAGEN, INDIA